तापमान
अधिकतम 32 .0 डिग्री
न्यूनतम 27 .0 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 18 अगस्त, 2025

11 नागोरी गेट हनुमान मंदिर में जन्माष्टमी पर उमड़ी भीड़

12 मनरेगा सहयोग मंच ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

खबर संक्षेप

उद्यमिता दिवस पर सीएम युवाओं से करेंगे संवाद

हिसार। विश्व उद्यमिता दिवस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी युवाओं और नव उद्यमियों से संवाद करेंगे। आगामी 21 अगस्त को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के निदेशक कैप्टन मनोज कुमार ने कार्यक्रम स्थल का दौरा किया। इससे पूर्व उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों की एक बैठक भी ली। निदेशक कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किए जाने वाले इस कार्यक्रम में एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग के साथ-साथ कौशल विकास विभाग की ओर से 57 स्टॉल लगाई जाएगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न शिक्षण संस्थानों में भी स्लोगन, पोस्टर राइटिंग कंपटीशन आयोजित किए जाएंगे।

स्क्रैप कारिंदों से 25 हजार लूटकर फरार

हिसार। कैमरी रोड स्थित सोनी बर्न अस्पताल के सामने स्क्रैप व्यापारी के कारिंदों से बाइक सवार दो बदमाश 25 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए। बदमाशों ने आधा दर्जन पुराने एसी बेचने का झांसा देकर इस वारदात को अंजाम दिया। व्यापारी ने अपने कारिंदों को रुपए देकर भेजा, ताकि वे माल खरीदने के बाद भुगतान कर सकें। मगर बदमाश उनको सुनसान जगह ले गए और पैसे लूट लिए। स्क्रैप कारोबारी साहिल ने बताया कि रविवार सुबह उनकी दुकान पर दो बाइक सवार आए। उनमें से एक व्यक्ति ने कहा कि उनके मालिक को छह पुराने एसी बेचने हैं, जो हाउसिंग बोर्ड में स्थित दुकान पर रखे हुए हैं। जब एसी लेने गए तो वहां बदमाशों ने पैसे लूट लिए। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिनमें दो युवक सामने आए हैं। पुलिस ने युवकों की तलाश आरंभ कर दी है।

चचेरे भाई को बरगलाया घर से गहने चोरी करवाए

नारनौंद। बास थाना क्षेत्र के गांव बास अकबरपुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक युवक ने अपने ही चचेरे भाई को बहला-फुसलाकर घर से सोने-चांदी के गहने चोरी करवा लिए। परिजनों को जब इस बात का पता चला तो पूरा मामला खुलकर सामने आया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चोरी की केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव बास अकबरपुर निवासी बजरंग ने बास थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका छोटा भाई आशीष पढ़ता है। इसी बीच उसके चाचा रामपाल का बेटा साहिल जो पिछले कुछ समय से मंगलमुखी समुदाय के साथ रह रहा है और खुद को महंत बताता है, उसने उसके छोटे भाई को बहकाकर चोरी की घटना को अंजाम दिलवाया।

तीन माह बाद भी खंडित प्रतिमा न लगने पर मंच ने मेयर से मांगा जवाब

शहीद मदनलाल ढींगड़ा शहादत दिवस कार्यक्रम में मचा हंगामा, जमकर हुई धक्का-मुक्की

- पंजाबी कल्याण मंच की ओर से किया गया कार्यक्रम
- मेयर पोपली ने बीच-बचाव कर मामला शांत करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

शहीद मदन लाल ढींगड़ा की शहादत दिवस पर पंजाबी कल्याण मंच की ओर से किया गया कार्यक्रम हंगामें व हाथापाई की भेंट चढ़ गया। शहीदी दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनकर पहुंचे मेयर प्रवीण पोपली के सामने ही समाज के लोगों ने जमकर हाथापाई व धक्का-मुक्की हुई।

मेयर सहित अन्य लोगों ने उन्हें रोकने का प्रयास तो किया लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। दरअसल पंजाबी कल्याण मंच की ओर से शहीद मदन लाल ढींगड़ा के शहीदी दिवस पर हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मेयर प्रवीण पोपली मुख्य अतिथि थे। जैसे ही मेयर ने अपना भाषण पूरा किया तो पंजाबी समाज के कुछ गणमान्य व्यक्ति बोलने लगे। मनोहर मोर्चा के प्रधान सुभाष ढींगड़ा व अन्य लोगों ने मदन लाल ढींगड़ा की खंडित प्रतिमा तीन महीने बाद भी न बनने पर मेयर से जवाब मांगा। मेयर ने हाथ जोड़कर उन्हें मनाने की कोशिश की। इस पर मंच संभाल रहे वीएल शर्मा ने हंगामा कर रहे लोगों को बाहर जाने के लिए कहा। इसके बावजूद हंगामा जारी रहा तो वीएल शर्मा ने सुभाष ढींगड़ा को धक्के देकर बाहर निकालने की कोशिश की। दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, तब मेयर प्रवीण पोपली ने बीच-बचाव कर मामला शांत करवाया। हंगामें के बीच मनोहर मोर्चा के अध्यक्ष सुभाष ढींगड़ा बोले कि मेयर मूर्ति बनकर तैयार होने की बात कह रहे हैं लेकिन मुझे पता है कि मूर्ति वैसे ही पड़ी है, जैसे तीन महीने पहले थी। पंजाबी कल्याण मंच ने हंगामे के लिए सुभाष ढींगरा को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि मूर्ति बनने के लिए एजेंसी को काम सौंपा हुआ है। जल्द मूर्ति लग जाएगी। मेयर ने कहा कि समाज को एकजुट होकर काम करने पड़ेंगे तभी समाज आगे बढ़ेगा। इस पर हंगामा होता रहा।

हिसार। कार्यक्रम में हंगामा करते लोग।

पंजाबी समाज मेरे साथ : ढींगड़ा

सुभाष ढींगड़ा ने कहा कि पंजाबी कल्याण मंच पूरी तरह से असक्रिय संगठन है। यह प्रतिमा को लेकर क्रेडिट लेने के लिए एक्टिव हुआ है। जब प्रतिमा खंडित हुई तब मैंने व समिति के लोगों ने जाकर ही कमिश्नर से बात की थी। तब पंजाबी कल्याण के मंच के लोग कहां थे? यह मूर्ति 2022 में हमारे प्रयासों से ही बनी थी। उन्होंने खुद को मदन लाल ढींगरा का वंशज बताते हुए कहा कि उनके लिए लड़ रहा हूं। समाज में एक-दो व्यक्ति अगर मेरे खिलाफ होते भी तो हो जाएं मगर पूरा पंजाबी समाज मेरे साथ खड़ा हुआ है।

तूफान के चलते खंडित हो गई थी प्रतिमा

लगभग महीने पहले आए तूफान के कारण ग्रीन स्क्वेयर मार्केट में लगी शहीद मदन लाल की प्रतिमा खंडित हो गई थी। इसके बाद नगर निगम कर्मी प्रतिमा को बिना किसी को बताए मूर्ति को उठाकर नगर निगम ले आए थे और कबाड़ में प्रतिमा को रख दिया। इस कबाड़ के पास ही शौचालय बना हुआ है। प्रतिमा गायब होने से शहीदी मदन लाल ढींगड़ा पार्क विकास समिति परेशान हो गई और थाने में इसकी शिकायत दी थी।

हांसी। चालक की एल्को मीटर से जांच करते पुलिस अधिकारी।

नशे में वाहन चलाने वाले दो युवकों का साढ़े 44 हजार का चालान काटा

- दोनों युवकों की कार व बाइक को किया जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

ट्रैफिक पुलिस ने रविवार को चेकिंग के दौरान शराब पीकर कार और बाइक चलाते हुए पकड़ा। पुलिस ने दोनों मामलों में 44 हजार 500 रुपए का चालान कर कार व बाइक जब्त कर लिया गया। ट्रैफिक थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुनील ने बताया कि चेकिंग के दौरान दोनों चालकों की एल्को मीटर से जांच की गई तो जांच में पाया गया कि कार चालक शराब पीए हुए था। इस पर 22 हजार 500 रुपए का चालान किया गया। इसी तरह बाइक चालक का 22 हजार रुपये का चालान किया गया। दोनों वाहन मौके पर ही जब्त कर लिए गए। आमजन से अपील की कि वे सड़क पर निकलते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करें।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ठसका के अव्वल छात्र सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ठसका में गत दिवस स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से हुई तत्पश्चात देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं जिनमें विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य एवं भाषण द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर विद्यालय में पधारे भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया और उनके योगदान को स्मरण करते हुए बच्चों को प्रेरित किया गया। ग्राम के सरपंच अजमेर सिंह ने वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः 500, 300 एवं 200 रुपये की नगद राशि पुरस्कार स्वरुप प्रदान की। साथ ही सरपंच अजमेर सिंह द्वारा इस वर्ष मार्च 2025 में सम्पन्न बोर्ड परीक्षा में मेरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 5100 रुपये की राशि देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या संतोष ने सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

हिसार। अतिथियों को सम्मानित करते सरपंच अजमेर सिंह व प्रधानाचार्या संतोष।

कैबिनेट मंत्री गंगवा से मिले आजाद नगरवासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

पूर्व पार्षद नरेन्द्र पिंकी शर्मा सहित अनेक लोगों ने सौंपा ज्ञापन

आजाद नगर की समस्याओं के हल के लिए पूर्व पार्षद नरेन्द्र पिंकी शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में आजाद नगर सुधार समिति के प्रधान सुरेन्द्र कुमार शर्मा, संरक्षक ठाकुर कश्मीर सिंह, कर्ण सिंह, सुनील खटक, सुरेश भारद्वाज, होंटिया के पूर्व प्रधान शम्भुदत्त शर्मा, सुबेदार जिन्द्र सिंह रावत, चिमन सिंह, गीता देवी, बिमला देवी, सुमन देवी, संगीता देवी, सावित्री देवी भी मौजूद थे।

कैबिनेट मंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि आजाद नगर में लीडिंग स्कूली वाली गली मुख्य सडक़ से लेकर ताराचंद खटक के घर तक, साकेत कालोनी में गावडिया वासी गली, लाइफ लाईन वाली गली, चंद्रलोक कालोनी में अमरनाथ के घर से लेकर धाम तक, आदर्श कालोनी की गली नंबर 2 और 3 का शीघ्र निर्माण करवाया जाए। स्ट्रीट लाईटस का आधा हिस्सा बंद है, उसे तुरंत ठीक करवाया जाए। सफाई कर्मचारी एवं कचरा उठाने वाली गाडिय़ों की संख्या बढ़ाई जाए, सभी निवासियों की गलियों में अधूरे बोर्डों का कार्य शुरू किया जाए, डिस्पेंसरी जो कि प्राइवेट बिल्डिंग में चल रही है उसके लिए सरकारी जगह उपलब्ध करवाई जाए। आजाद नगर में बरसात के समय जलभराव न हो इसके लिए बरसाती पानी निकासी के लिए पाईप बिछाई जाए, आदर्श कालोनी की गली नं 2 को जो काफी जर्जर अवस्था में है 25 वर्षों पहले बनी हुई है, उसको दोबारा से बनाया जाए। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने सभी सदस्यों को आश्वासन दिलाया कि प्रदेश सरकार हर क्षेत्र के समान विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

हिसार। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा को ज्ञापन सौंपते हुए आजाद नगर वासी।

पत्नी की हत्या करके खुद रेल से कटा, चरित्र पर करता था शक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना मंडी

नया गांव में महिला की हत्या करके खुद आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने मृतकों की बेटी की शिकायत पर केस दर्ज किया है। मृतका की बेटी खुशी ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है।

वे तीन भाई बहन है। बड़ा भाई टीकुं हिमाचल प्रदेश में काम करता है तथा भाई रींकु उसके मामा के साथ गांव मिर्जापुर में रहता है। घर पर वह, उसकी मां सुरेश देवी व पिता राजेश तीनों रहते हैं। मेरी मां व मेरे पिता का झगड़ा होता रहता था और करीब चार साल से उसका पिता राजेश मेरी मां सुरेश देवी के चरित्र पर शक करता था। गत 15 अगस्त को सुबह करीब 8 बजे वह अपनी चाची सुदेश के साथ खेतों में काम करने के लिये गई थी। जब हम खेतों से काम करके दोपहर लगभगग घर आई तो कोई नहीं मिला। कुछ देर बाद उसका पिता घर आया तो उससे पूछा की मेरी मां कहां है तो उसने कहा कि तेरी मां तेरे मामा के घर मिर्जपुर चली गई। शाम को मैने मेरे मामा राममेहर व अन्य रिश्तेदारियों में फोन किया तो मुझे मेरी मां का कोई पता नहीं चला। मैने मेरे पिता को कहा कि मां की रिपोर्ट थाना में करवा देते हैं। शिकायत के अनुसार अगले दिन सुबह मेरा पिता मुझे बिना बताए घर से चला गया। दोपहर साढ़े तीन बजे मेरे मामा राममेहर का फोन आया तो मैंने कहा कि मां का अब तक कोई पता नहीं चला है और सुबह 6 बजे मेरे पिता भी घर से कहीं चला गया है।

दिव्या ज्योति जागृति संस्थान ने पर्यावरण संरक्षण के लिए किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

दिव्या ज्योति जागृति संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण प्रकल्प के अंतर्गत रविवार को रामपुरा गांव में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज की शिक्षा साध्वी नीतिका भारती ने बताया कि जब मनुष्य हरियाली से घिरा हुआ होता है तो वह हमेशा अपने आपको प्रकृति से जुड़ा हुआ तथा शांत महसूस करता है।

वृक्षारोपण का अर्थ समझाते हुए उन्होंने कहा वृक्षारोपण केवल मिट्टी में पौधा रोपित करना नहीं है बल्कि कम से कम पांच वर्ष तक उसका संरक्षण एवं उपयुक्त मिट्टी और अनुकूलित वातावरण देकर उस पौधे की वृद्धि एवं स्थिरता को सुनिश्चित करना ही वृक्षारोपण की कर्तव्य को संपन्न करना है। इस महत्व को समझाते हुए उन्होंने कहा कि यदि कुदरत नहीं तो प्रगति भी नहीं हो सकती। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के संरक्षण प्रकल्प के बारे में बताते हुए कहा कि श्री आशुतोष महाराज की प्रेरणा के तहत उन्होंने अनेक ब्रह्म ज्ञानी शिष्य आदि पर्यावरण को सुरक्षित करने हेतु दृढ़ संकल्पित है इसीलिए हम सभी की भी जिम्मेदारी बनती है कि हम अपने जीवन शैली को बदले और पर्यावरण को सुरक्षा के लिए कदम बढ़ाए।

हांसी। महिलाओं को पौधे वितरित करती साध्वी नीतिका भारती।

गो सेवा के लिए समर्पित थे संत राजेंद्रानंद महाराज : महेश बंसल

उकलाना। गौ ऋषि संत राजेंद्रानंद महाराज का देवलोक गमन होने पर श्री कृष्ण गौशाला में भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने महाराज द्वारा गौ माता के लिए किए गए कार्यों को याद किया तथा बताया कि वह वास्तव में गौ पुत्र थे जिन्होंने अपना सारा जीवन गौ सेवा गौ रक्षा तथा समाज को गौ माता के प्रति श्रद्धा बढ़ाने के लिए लगा दिया। उनका आकस्मिक देवलोक गमन समाज के लिए बहुत बड़ी क्षती है जिसे पूरा करना बहुत कठिन है। श्री कृष्ण गौशाला के तत्वाधान में ही संत राजेंद्र आनंद महाराज पिछले महीने ही उकलाना में कथा करके गए थे तथा लोगों में गौ माता के प्रति श्रद्धा बढ़ाने का कार्य किया था। संत गुरु सेवा को समर्पित थे जिन्होंने गौशालाओं को सहयोग दिलवाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। इस मौके पर प्रधान अभेराम मंगला, महेश बंसल, रोशन मित्तल, जगदीश असीजा, रतन मित्तल, नरेंद्र गर्ग, विनोद गोयल, बलवान घायल, सतीश दनोदा, रामकुमार गोयल, निहाल सिंह बरड़, सुभाष थापन, मक्खन जोदकन व विनोद गोयल सहित बड़ी संख्या में गोभक्त उपस्थित थे।

युवक को लाठी-डंडों से पीटा, सिर कुचला

- गंभीर हालत में युवक रोहतक पीजीआई रैफर, पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप
- घायल युवक का चाचा पूर्व में रह चुका भाजपा किसान मोर्चा का पदाधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

शहर की कानून-व्यवस्था को धत्ता बताकर असामाजिक तत्व आए दिन मारपीट, हमले जैसी वारदात कर रहे हैं। सरेआम की जा रही वारदातों से यह आभास अवश्य हो रहा है कि लोगों में पुलिस का खौफ नहीं है।

हालांकि मामला चार दिन पुराना बताया जा रहा है लेकिन मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस पर कार्रवाई न करने के आरोप लगे हैं। वायरल वीडियो के अनुसार लगभग आधा दर्जन युवकों ने शहर के भाजपा नेता के भतीजे को लाठी व डंडों से पीटकर बुरी तरह जख्मी कर दिया। युवकों ने उसे सड़क पर गिराकर लाठी डंडों से पीटा और पैर से सिर भी कुचला। मारपीट व हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पांच हमलावर लाठी व डंडों से युवक को पीट रहे हैं। युवकों ने उसे तब तक पीटा, जब तक कि वह अधमरा नहीं हो गया। मारपीट के दौरान हमलावर कहते दिख रहे हैं कि ये वो नहीं है। वीडियो वायरल होने के बाद घायल के परिजन सक्रिय हुए और पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। परिजनों के पहुंचने पर पता चला कि घायल युवक कृष्ण है, जो भाजपा के पूर्व किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रकाश चंद्र का भतीजा है। उनका भतीजा और बेटा कंप्यूटर कोर्स कर रहे हैं और सेंटर जाने की बात कह कर घर से निकले थे। बाद में बेटे का फोन आने पर पता चला कि भतीजे के साथ मारपीट हुई है। भतीजे के मोबाइल से कॉल रिकॉर्डिंग भी मिली है।

हिसार। हमले में घायल हुआ अस्पताल में भर्ती युवक।

आयोजन लाडवा में कबड्डी प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में पाबड़ा की टीम प्रथम, भूथन कलां द्वितीय

प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गोगा नवमी के अवसर पर डिवाइन लाइट स्कूल, लाडवा में 55 किलोग्राम भार वर्ग की नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने भाग लिया।

स्कूल डायरेक्टर वीरेन्द्र पूनिया ने बताया कि पाबड़ा की टीम ने शानदार प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया और 5100 रुपये की नकद राशि जीती। भूथन कलां की टीम द्वितीय रही, जिन्हें 2100 रुपये प्रदान किए गए। डिवाइन कबड्डी अकादमी लाडवा और श्याम सुख अकादमी की टीमें संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में बेस्ट कैचर व बेस्ट रेडर को 1100-1100 रुपये देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरपंच रामफल पूनिया रहे।

हिसार। खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेते खिलाड़ी व विजेताओं को सम्मानित करते अतिथि।

जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करे, जो हमें धरती और धन का ग़ुलाम बनाए, जो हमें भोग-विलास में डुबाए, जो हमें दूसरों का ख़ून पीकर मोटा होने का इच्छुक बनाए, वह शिक्षा नहीं भ्रष्टता है।
- मुंशी प्रेमचंद

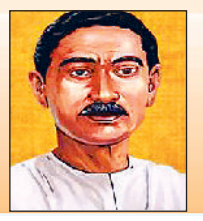

आवाज़ें

कहानी
नवरत्न

गतांक से आगे...

अभी तक आपने पढ़ा कि शारदा की साहब से शादी हो जाती है। साहब कम बोलते हैं। शारदा इस बात का पूरा ध्यान रखती है कि घर में शोर-शराबा न हो। शारदा के दो बच्चे हो चुके हैं। बच्चों के जन्म के बाद वह समझ पाती है कि जीवन में आवाज का क्या महत्व है। साहब की मां स्वर्ग सिधार गई हैं। अब साहब ने कॉलेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है और ज्यादातर वक्त वे पढ़ने-लिखने में ही बिताते हैं। ***अब आगे...***

अम्मा जी चली गई हैं। साहब ने उन्हें चुपचाप विदा कर दिया है। अब तो अकेले ही दरख़्तों के साए में अपने हुक्के के साथ बैठते हैं। शाम को अक्सर अम्मा जी की जगह शारदा होती है। चुपचाप उन्हें पढ़ते-लिखते हुए या हुक्का गुड़गुड़ाते हुए देखती हुई शारदा ... बच्चे बड़े हो रहे हैं... पड़ोस में एक आध मकान और बन गया है। जिससे आवाजों की आमद बढ़ गई है। नए मकान का मुहूर्त है और पड़ोस में थोड़ी रेलम-पेल है। नए पड़ोसी थोड़े ज्यादा ही बोलने-चालने वाले किस्म के लोग हैं। बोल बोल कर, नाच-गाकर जिंदगी का आनंद मनाने वाले लोग.. साहब को न्योता देने आए हैं। चाहते हैं कि पड़ोस में जान-पहचान बढ़े।

साहब चुपचाप हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं। शारदा थोड़ी विचलित है कि अब उन्हें कैसे बताए... कि ये इस तरह के समारोह में शामिल नहीं होते। अब कुक्कू के कान में दर्द हो तो शारदा साहब के सोने की अलग कमरे में व्यवस्था कर सकती है। निक्की को बुखार हो या दोनों भाई-बहन आपस में खेलते-खेलते झगड़ा करने लगें तो शारदा के पास समाधान है। अब इस नई समस्या का तो उसे कोई समाधान नजर नहीं आता। लेकिन ऐसा भी नहीं कि साहब को ये चीजें बिल्कुल ही नागवार गुजरें। बस! इतना है कि वे न्योता देने वालों की बातों को सिर्फ सुन रहे हैं। बहुत हुआ तो वे उनके कई वाक्यों के बाद अपनी संक्षिप्त सी 'जी' से काम चला देते हैं। फिर... एक व्यक्ति और आ गया है जो शायद पहले वाले को बुलाने आया है। साथ में कुछ बच्चे भी आ गए हैं। बड़े प्यारे-प्यारे बच्चे हैं। निक्की और कुक्कू की आज छुट्टी है और जाने कब बच्चों की छोटी सी दुनिया में दोस्ती का दीप जगमग आ उठा है। शारदा ने निक्की के हाथ एक पानी का जग और गिलास भेजे हैं शिष्टाचारवश। साहब ने उन्हें पानी पिलाया है.. साथ ही आगंतुकों ने साहब को यह भी बताया है कि.. 'जी आज तो लेडीज संगीत का कार्यक्रम है। शाम को जवान बच्चे नाच-कूद लेंगे इस बहाने और कल सुबह दस बजे गृह प्रवेश है। आप मैडम के साथ, बच्चों के साथ, जरूर आइएगा।'

साहब ने कोई जवाब नहीं दिया है। बच्चों को खेलते हुए महज देख रहे हैं। फिर कुछ औरतें पारंपरिक परिधानों में सजकर गीत गाती हुई सुनाई दे रही हैं। बच्चे.. निक्की और कुक्कू के साथ खेलते-खेलते अंदर आ गए हैं। अब बच्चे तो बच्चे हैं, उन्हें कागजों पर लिखी बातों का क्या पता? वे विस्मय से भरे ..कमरों में भरी किताबों को देख रहे हैं। कभी-कभी किसी कागज को भी उठा लेते हैं। फिर उस कागज को यूं ही गिराकर कोई और पत्रिका उठा लेते हैं। उनके लिए तो सब कुछ महज खेलने की चीजें हैं। दुनिया एक खेल है... जिंदगी एक खेल है... यहां जी रहा प्रत्येक व्यक्ति अलग-अलग तरीकों से खेल रहा है। लेकिन शारदा असहज है। वह भारी द्वंद्व में है। बच्चों की आवाजों को बड़ी शिद्दत से सुन रही है। निक्की और कुक्कू का यूं बच्चों के साथ खेलना उसे सुकून दे रहा है। लेकिन बच्चे शोर कर रहे हैं। उनका शोर करना, आवाजें करना उसे अखर रहा है। शाम को जैसा कि शारदा को पहले ही अंदेशा था.. सात बजते-बजते डीजे शुरू हो गया .. खूब तेज आवाज में ...साहब भीतर अपने कमरे में हैं और खाना खा रहे हैं। शारदा खिड़कियां बंद कर रही है ताकि आवाज अंदर ना आ सके। लेकिन खिड़कियां - दरवाजे बंद करने से भी ज्यादा असर नहीं पड़ रहा और आवाजें बाकायदा अंदर आ रही है। हंसने की आवाजें, गाने की आवाजें, जोर-जोर से बोलने की आवाजें और सबसे तेज आवाजें... पटाखों की आवाजें... शारदा विचलित तो नहीं... लेकिन असहज है.. क्योंकि बारह साल में ऐसी स्थिति पहली बार आई है जब उसे अपने घर में इतना शोर सुनाई दिया है। साहब चुपचाप लेटे हैं । उन्होंने असहज और परेशान शारदा की ओर महज देखा भर है और अपने देखने भर से यह जता दिया है कि रहने दो, कोई बात नहीं... कई बार कुछ आवाजों का कोई समाधान नहीं होता। दोनों बच्चे बिल्कुल बेफिक्री से सो रहे हैं। साहब जाग रहे हैं । आवाजों का सिलसिला जारी है। शारदा अभी जाग रही है। हालांकि उसने कोशिश की है साहब के तलवों और सिर में तेल की मालिश करके उन्हें सुलाने की। लेकिन पटाखों की आवाज के साथ ही वे चौंक पड़ते हैं। कभी-कभी उठ कर बैठ भी जाते हैं। लिखने-पढ़ने वाले विचारशील व्यक्ति हैं। सोच रहे हैं कि जीवन में आवाजों का आदी होना भी कितना जरूरी है। आवाजों के समंदर में डूब कर बेखुदी में जीना कितना आसान हो जाता है । शारदा की

वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा

आंखें शायद लग रही हैं। वह तंद्रा में ही विचार कर रही है कि कुछ आवाजें कितनी अच्छी होती हैं कि वे आती हैं और बच्चों के लिए खेलने का सामान कर जाती हैं। बच्चे स्कूल में तो भले ही खेलते होंगे घर में तो वे आज ही खेले हैं, पड़ोस के बच्चों के साथ। सोचते-सोचते वह सो गई। रात का एक बज गया है, अब शायद आवाजें थक गई हैं। उनमें एक बोझिल आकार पैदा हो गया है। अब थोड़ी-थोड़ी देर में आ तो रही हैं लेकिन अलसाई हुई सी, उनमें थकान है। शायद नशा भी है और कभी-कभी एक नींद की खुमारी भी सुनाई पड़ रही है। पटाखे भी अब थक गए हैं और डीजे भी कम से कमतर हो गया है । रात्रि का मौन पसर रहा है। आज इतवार है तथा बच्चों की छुट्टी है। पड़ोस में फिर चहल-पहल सुनाई पड़ रही है। गृह प्रवेश के लिए हवन का कार्यक्रम शुरू हुआ है। हवन के मंत्रोच्चार भी बाकायदा माइक में बोले जा रहे हैं। आहूतियों के सिलसिले में स्वाहा का समवेत स्वर माहौल को ऊर्जा नृत्य कर रहा है। शारदा का यह साफ-सफाई का वक्त है। सफाई करते हुए वह सोच रही है कि एक बार शिष्टाचार के नाते, औपचारिकतावश ही सही, वह पड़ोस में जा आएगी.. क्योंकि सुबह भी दो महिलाएं बुलावा देने के लिए आई थी। महिलाएं पारंपरिक परिधान में सजी-धजी, हवन का प्रसाद लेकर गई थी। उनके साथ बच्चे खेलते हुए यहीं रुक गए थे। साहब नहा-धोकर, बाहर शहतूत तले, उनकी प्रिय जगह पर अपने हुक्के के साथ बैठे हैं। आंखों में रात भर न सोने के कारण थकान है। शारदा नहा धो चुकी है। उसने कॉटन सिल्क की साड़ी पहनी है। बस साहब के लिए नाश्ता बनाना है, फिर बच्चों के साथ वह थोड़ी देर के लिए पड़ोस में चली जाएगी। हवन हो चुका है व मंत्रोचार के समवेत स्वर सुनाई नहीं पड़ रहे हैं। शारदा रसोई में है और बच्चे दूसरे कमरे में खेल रहे हैं। वह बीच-बीच में दो-तीन बार उन्हें खेलते हुए फुसफुसाकर ताकीद कर आई है कि आवाजें नहीं, चुपचाप खेलते रहो। लेकिन अब की बार वह बच्चों वाले कमरे में आई तो पड़ोस का एक बच्चा कागज से हवाई जहाज बना रहा था। उसने शायद किसी पत्रिका से पृष्ठ फाड़ लिया है। शारदा के लिए यह अप्रत्याशित था। उसने निक्की को पास बुलाकर धीरे से फुसफुसाया.. पापा के लिए नाश्ता बना रही हूं, फिर पड़ोस के फंक्शन में चलेंगे, तब तक तुम सब बच्चों को बराबर वाले लान में, गुलमोहर के नीचे, खेलाओ और बाहर से दरवाजा बंद कर जाओ, नहीं तो ये बार-बार आकर पापा के कागज उठाएंगे। निक्की समझ गई.. वह इन सब में बड़ी बच्ची है.. उसने ऐसा ही किया, बाहर बरामदे का दरवाजा बंद कर दिया ताकि मम्मी आराम से नाश्ता बना सके। साहब को मिट्टी की हंडिया में बना हुआ दलिया नाश्ते में पसंद है। उनका मानना है कि खाने की चीजें भी जितनी धीरे पकती हैं उनमें स्वाद बरकरार रहता है। तेजी से पकी हुई चीजें बे-स्वाद होती हैं। शारदा भी समझ चुकी है कि जिंदगी धीरे धीरे, आराम से और सुकून से जी जाती है। वह दलिया धोकर मिट्टी की हांडी में डालते हुए भी साहब के बारे में ही सोच रही है कि वे रात भर आवाजों से दो-चार रहे और सो न सके। लेकिन बाहर अब सब कुछ शांत है बिल्कुल शांत ... कोई आवाज नहीं आ रही.. सोच कर.. उसे अच्छा लगा। कुछ देर से बच्चों की ओर से भी आवाज नहीं आ रही है। वह सोच रही है शायद बच्चे भी खेलते हुए पड़ोस के समारोह की ओर निकल गए होंगे। साहब नाश्ता करके शायद थोड़ा आराम करें और उनकी आंख लग जाए तो अच्छा हो। वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा ... हालांकि रसोई से बाहर... बरामदे की ओर...वह भागी ..लेकिन भागी तो ... सिल्क और भी भभकी ... अबकी बार । शहतूत के दरख्त के नीचे साहब किसी साहित्यिक पत्रिका में उलझे हैं। हालांकि बीच में उनकी चेतना कुछ समय के लिए घर के मुख्य दरवाजे की ओर गई और उन्होंने बाकायदा देखा भी कि बाहर से बंद है और हल्के-हल्के थपथपाया जा रहा है। कुंडी बाहर से साफ दिख रही है। दोनों किवाड़ धीरे-धीरे आगे-पीछे होते हुए दिखाई दे रहे हैं लेकिन फिर उन्होंने यह सोचकर ध्यान हटा लिया कि बच्चे हैं और पड़ोस के बच्चों के साथ खेल रहे हैं। पत्रिका में आलेख छपा है .. आवाजों के जंगल में जिंदगी की तलाश... उन्होंने शीर्षक देखा ... उन्हें शीर्षक अच्छा लगा है। शीर्षक से ही उन्हें साफ महसूस हुआ कि आलेख किसी को भी अपनी ओर आकर्षित करेगा पढ़ने के लिए। लेकिन कुछ जलने की गंध और उनके नासा पुट सक्रिय ....उन्होंने फिर घूम देखा... तो बरामदे के अंदर वाले रोशनदान से धुआं निकल रहा है... मटमैला सा धुआं ... उनकी समझ में कुछ नहीं आया।

वे उठे... कि उन्हें लगा कि जैसे कुछ अप्रिय घटित होने की आशंका के साथ और वे लगभग दौड़ ही पड़े....कुंडी खोली तो अंदर का हृदय विदारक दृश्य ... उन्होंने जिंदगी में पहली दफा किसी नाम को इतनी जोर से पुकारा... शारदा ....ssssss.. और शारदा ने बमुश्किल आंखें खोली और फौरन हाथ से इशारा करते हुए अपनी तर्जनी होठों पर रख ली ।... और इस तरह से साहब की जिंदगी से उस दिन उस आखिरी आवाज ने विदा ली। आजकल वे खोजते फिरा करते हैं आवाजों को... वे मानते हैं कि आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें हैं। आवाजें हमारे होने को तस्दीक करती हैं.. या कि कुछ आवाजें खूबसूरत हुआ करती हैं। उनका होना हमारी जिंदगी को सार्थक कर जाता है। आवाजें लहरों से समंदर की छाती पर अलविदा लिख दिया करती हैं। आकाश की पीठ पर बादलों की आवाजें बरसात नहीं... असल में जिंदगी ही तो लिखा करती हैं। **(समाप्त)**

कविता
राकेश कुमार सपड़ा

तकदीर

निहार लेते और दो घड़ी
जो मालूम होता
अब होगी ना मुलाकात हमारी।

कहते दिल की अपनी
सुनते तुम्हारी
ना कहते
मिलेगे फिर
होते वक्त विदा
रोक लेते तुम्हें
जो होता मालूम
हमेशा को
हो रहे हैं जुदा
अलविदा कहने को भी
होगी ना अब भेंट हमारी।

यादें तुम्हारी
ना दिल से मिटायेगे
बितेगा सफर यूँ ही
इक रंगी हमारा
ना होगा ओझल
रहेगा बसा आँखों में
वो अक्स तुम्हारा
चलेंगे हम
संग होगा साया तुम्हारा।

काश दे के आवाज तुम्हें
बुला पाते
एहसास अपने जज्बातों का
दिला पाते
पता जो मालूम होता तुम्हारा
भेज के पाती
बहाने से तुम्हें किसी भी
बुला पाते
कसमें जो रह गई हैं अधूरी
वो निभा पाते।

ख्वाबों का ही अब सहारा होगा
हमसफर कोई दूजा ना हमारा होगा
याद में तुम्हारी
नम आँख में जो आँसू होंगा
कहने को हमारा
नाम उस पर तुम्हारा ही होगा।

कविता
अंजु कपूर गांधी

नारी

सच कहूं तो हर नारी
जिम्मेदारियों के बोझ तले
खुद के सपनों को दबाए
चलती रही ताउम्र बोझा
अपने सिवाए ,सबका उठाए
थकती पर रुकती नहीं है
चलती जाती
जीवन होम किया
फिर भी
अंत ठगा खुद को है पाती
सबसे बड़ी ठगी तो वो है
खुद से ही जो करती जाती
आती -जाती श्वासों में ये जीवन खेले
इससे पहले मृत्यु निज आगोश में ले
लक्ष्य जो चिन्हित किये थे
उनको पाना याद कर
हैं बची सांसें ये जितनी
अब तो अपने नाम कर
खोल दे बंद मुट्ठियां
ख्वाहिशों को पंख लगा
पांव जमीं पर रहें...
'अंजु' व्योम छू के आ !

लघुकथा
विश्वदीपक त्रिखा

कामवाली बाई

पिछली कामवाली बाई छोड़ गई थी। नई कोई मिल नहीं रही थी। दिक्कत बहुत थी। हम दोनों ऑफिस चले जाते तो घर में बच्चे और बच्चों के दादा-दादी अकेले होते। किसी ने बताया कि दिल्ली में एजेंसी से मिल जाएगी मेड। उनसे बात की। उन्होंने एडवांस पेमेंट ली और उन्हीं का आदमी साथ लेकर आया। एग्रीमेंट पर हमारे हस्ताक्षर करवाए और मेड को छोड़ कर चला गया।

मेड का नाम था लवली। 32/33 की उम्र थी। बंगाल की रहने वाली थी। बंगाली बोलती थी। टूटी-फूटी हिंदी भी बोल लेती थी। दो-चार दिन के बाद उसने मोर्चा संभाल लिया। काम आसान हो गया। खाना बहुत ही अच्छा बनाती थी। और किसी किस्म के नखरे भी नहीं थे। एक साल बाद बोली कि भैया घर जाऊंगी, टिकट बुक करवा दो। मैंने टिकट बुक करवा दी। एक महीने बाद वापस आई तो रो रही थी। बोली भैया रास्ते में टीटी ने 2000 रुपये जुर्माना लगा दिया। आधार कार्ड दिखाया तो कहता टिकिट किसी और के नाम से है।

मैंने कहा, आधार दिखाओ । आधार कार्ड देखा तो उस पर नाम था आबिदा बेगम। टिकट मैंने लवली के नाम से करवाई थी। मेरा काटो तो खून नहीं। मैंने पूछा, लवली आप मुसलमान हो क्या। बोली, हां भैया।

मैं उठ कर दूसरे कमरे में चला गया। मेरी बीवी भी पीछे आ गई। हम दोनों ही परेशान कि ये क्या हुआ हमारे साथ। धोखा ये नहीं कि वो मुसलमान है। धोखा ये कि हमें एजेंट ने या खुद लवली ने ये सब बताया क्यों नहीं। एग्रीमेंट लवली के नाम से ही बना था। हमने उस वक्त आधार देखने की जरूरत ही नहीं समझी। थोड़ी देर में जब हम सदमे से उभरे तो बाहर आकर उसको चाय बनाने के लिए बोला और पहले जैसे ही हंस बोल कर माहौल को हल्का बनाने की कोशिश की ताकि उसको महसूस न हो।

मैं ठहरा ब्राह्मण, वो भी असली वाला और मेरे घर में कामवाली मुसलमान, कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करू। उसके गुण देखूं कि उसका धर्म देखूं। जो गुण थे उसमें, उसके सामने उसका धर्म गौण लगा मुझे। मैं कोई सेकुलर नहीं हूं। कट्टर हिंदू हूं लेकिन कुछ रिश्ते इन सब से ऊपर हो जाते हैं। शायद उसका हमारा रिश्ता कुछ ऐसा ही बन चुका था। वो उमर में मेरे से छोटी थी पर डांटती ऐसे थी जैसे कि मेरी मां हो। घर में चलती भी उसी की थी। मैं कभी बीवी को डांट दूं तो मेरे को डांट दिया करती। कभी मेरे से कोई गलती हो जाती तो मेरी खैर नहीं। हमारे घर में क्या कहां पड़ा है सब उसी को पता होता था न कि मेरी बीवी को। एक तरह से वो घर की कंप्लीट केयरटेकर थी। सब वैसे ही चलता रहा। ईद में मेरी बीवी उसके लिए सिवांइया बनवाती। दीवाली में हमारे साथ वो पूजा करती। उसने हमारे घर 16 साल काम किया। कोरोना की दूसरी लहर में घर गई। फिर वापस आई और एक साल और काम किया लेकिन उसके बाद उमर हो गई थी उसकी भी 50 के आसपास। अब काम नहीं होता था उससे। बोली, जाऊंगी वापस घर। मेरी बीवी ने बहुत रोका, बोली रुक जाओ। हमें आपकी आदत सी हो गई है। लेकिन चाहते हुए भी वो नहीं मानी। खैर, इतना ही साथ था हमारा। हम उसको दिल्ली स्टेशन पर छोड़ने गए। ट्रेन चली तो हम तीनों की आंखों में आंसू थे।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को जटिल,लेकिन अत्यंत रोचक करार देते हुए कहते हैं कि सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के विस्तार ने साहित्य की प्रकृति, पहुंच और अभिव्यक्ति के तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। साहित्य अब केवल शब्दों का खेल नहीं रहा, वह मल्टीमीडिया अनुभव बनता जा रहा है।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देता साहित्य : डॉ. सत्यबीर 'निराला'

भारतीय संस्कृति में साहित्य को समाज का दर्पण माना जाता है। इसलिए सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर लेखन के जरिए साहित्य साधना कर रहे साहित्यकार संस्कृति और परंपराओं और सभ्यता के प्रति समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह ऐसे ही साहित्यकार हैं, जिन्होंने पद्य, दोहे, वर्णमाला, चौपाई, भजन, हरियाणवी भजन व बारह मास जैसी विधाओं में सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देने का प्रयास किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को साहित्य संवर्धन का हिस्सा बनाकर उन्होंने हरियाणवी भाषा और संस्कृति को सर्वोपरि रखते हुए कला और संगीत की विधाओं में भी एक कलाकार व गायक और समाजसेवा की भाव के साथ अपनी पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति के प्रति प्रेरित करने पर बल दिया है। वरिष्ठ साहित्कार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' का जन्म 24 अक्टूबर 1956 को रोहतक जिले के गाँव निगाना में एक सामान्य कृषक परिवार में बनारसी दास नम्बरदार व सरबती देवी के घर में हुआ। परिवार में पारिवारिक पृष्ठभूमि में कोई साहित्यिक या सांस्कतिक माहौल नहीं था, लेकिन उन्हें बचपन से ही भजन और गीत गाने का बहुत शौक था। हालांकि होश संभालने के बाद मध्यम वर्ग का परिवार होने की वजह उनके जीवन में भी आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अल्पायु यानी 14 या 15 वर्ष की उम्र में ही लिखना शुरू कर दिया था। वक्त के साथ जब वह बड़े हुए तो उन्होंने अपनी पढाई के साथ में संगीत की शिक्षा ग्रहण करनी भी जारी रखी और जल्द ही वह बड़ी स्टेजों पर बतौर गायक तथा हारमोनियम वादक के तौर पर कार्य करने लगे। समय के साथ ख्याति बढ़ती गई और उन्हें फिल्मों, नाटकों में गीत लिखने के लिए तथा बतौर संगीतकार के तौर पर कार्य करने के अवसर मिलते रहे, लेकिन कहीं न कहीं मन में एक टीस बाकी थी कि उनकी रचनाएं किस प्रकार आने वाली पीढ़ी को जागरूक करे। इसलिए उन्होंने साहित्य लेखन की तरफ अपने कदम बढ़ाने शुरू कर दिए। साहित्य सृजन करते हुए वह अब तक करीब 78 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। हालांकि दस पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी हैं। कवि धर्म संसद में सद्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज ने शुभ आशीष देते हुए उन्हें साल 1990 में 'निराला' उपाधि से नवाजा। हालांकि घर परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए सरकारी नौकरी करने तथा साहित्य लेखन व संगीत के कार्य में सामंजस्य बैठाने में वास्तव में उन्हें बेहद परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन हरियाणा सरकार के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिक, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्ति के बाद खासतौर से साहित्यिक क्षेत्र की दृष्टि से उन्हें बड़ी राहत मिली। इसलिए अब वह लगातार दिन-रात साहित्य सृजन तथा साहित्यिक गतिविधियों में इतना व्यस्त रहने लगे और अब तक वह करीब 75 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। साहित्य और संगीत में पीएचडी की मानद उपाधि हासिल कर चुके डॉ.सत्यबीर सिंह, आमतौर पर उनके लेखन का फोकस हर विषय पर रहा है, लेकिन सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों, अध्यात्म एवं जनजागृति पर आधारित रचनाओं पर ज्यादा कलम चलाई है। साहित्य सृजन के अलावा वह सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रीय हैं और निराला चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक निदेशक के रूप में वह महिला सशक्तिकरण की दिशा में अब तक 150 महिलाओं एवं लड़कियों को निःशुल्क एडवांस बेसिक कंप्यूटर कोर्स और बेसिक कंप्यूटर कोर्स करवाए जा चुके हैं। वहीं पौधरोपण, रक्तदान आदि गतिविधियों तथा धर्म प्रचार-प्रसार कार्यों में अहम वह लगातार अपनी भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने बताया कि वह अब तक हरियाणवी भाषा में 250 से ज्यादा गीत, कविताएं लिख चुके हैं, जिसमें उनकी एक पुस्तक 'टूटता तारा' हरियाणवी भाषा मे प्रकाशित हो चुकी है। बतौर संगीतकार, गीतकार, गायक एवं अदाकार के रूप में कई हरियाणवी फिल्मों, टेलीफिल्मों तथा नाटकों में कार्य किया। वे कहते हैं कि साहित्यकारों को अपनी रचनाओं और लेखों को रोचक व प्रासंगिक बनाने के लिए विज्ञान, राजनीति, समाजशास्त्र के साथ साहित्य का संवाद स्थापित करना होगा।

प्रकाशित पुस्तकें

निराला' ने अब तक हिंदी व हरियाणवी भाषा में 75 से ज्यादा पुस्तकें लिखी हैं। इनमें प्रमुख रूप से आइना - ए-निराला, सत्य की ओर, दरकते-रिश्ते, अदालत, प्यार का पैगाम,घटता आँचल, टूटता तारा (हरियाणवी), संत बाबा मेहरशाह (ग्रंथावली) शामिल हैं। उनकी साझा संग्रह पुस्तकों में 'पौत्र प्रभाविकरण', 'तनै कर दिया इसा कमाल', 'गुरु कृपा', 'संस्कारों की क्यारी', 'प्यारा नंद लाला', 'भारत माता की जय', 'मेघा पुष्प', 'कविता कौमुदी' के अलावा प्रकाशनाधीन साझा संग्रह पुस्तक 'एकता', 'बेरहम' और 'महिलाओं की प्रधानता और नेतृत्व' शामिल हैं।

डॉ.सत्यबीर सिंह 'निराला'

पुरस्कार व सम्मान

डॉ. सत्यबीर को हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी से 'हरियाणवी भाषा के विकास की संभावनाए' विषय पर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। उनको प्रमुख रूप से राष्ट्रीय साहित्य रत्न सम्मान, राष्ट्रीय कबीर कोहिनूर सम्मान, 'बाल अधिकार साहित्य सम्मान, अटलश्री सम्मान, विद्या भास्कर निराला सम्मान, कवि महेन्द्र सिंह नंबरदार स्मृति सम्मान, मिसरी-जुगलाल स्मृति साहित्य श्री सम्मान, निर्मला स्मृति हरियाणा गौरव साहित्य सम्मान, प्रकृति गौरव सम्मान, संस्कृति प्रेमी सम्मान, सनातन धर्म और साहित्य सम्मान शामिल हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला'
जन्मतिथि :24 अक्टूबर 1956
जन्म स्थान :गांव निगाना, रोहतक (हरियाणा)
शिक्षा : इंटरमिडिएट, पीएचडी उपाधि
संप्रति : साहित्यकार, संगीतकार, गायक एवं समाजसेवी, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्त।

वेदना और संवेदना का मिश्रित रंग है अमूर्त काल

पुस्तक : अमूर्त काल
लेखक : अजय रोहिल्ला
मूल्य : 350 रुपये
प्रकाशक : आधार प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा
भारत भूषण शर्मा

अजय रोहिल्ला एक विद्रोही वजूद का मानवीय नाम है, जो उनकी सोच, समझ और स्वभाव का प्रतिबिंब बनकर, कभी उन्हें रंगमंच का कलाकार, कभी निर्देशक, कभी सिल्वर स्क्रीन पर एक सक्षम अभिनेता तो कभी चित्रकार के रूप में सामने लाता है। उनके विद्रोही और आक्रामक स्वभाव का एक नया रूप कवि के रूप में देखने को मिला है।

उनका कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के रूप में हमारे सामने है। हालांकि, अजय की कविताओं को मैंने इस संग्रह से हटकर भी पढ़ है। कई संदर्भों में महसूस किया है। अजय रोहिल्ला की कविताओं को समझने से पूर्व यदि उनके कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के शाब्दिक, व्याकरणिक अर्थ को समझ लेंगे तो इन रचनाओं को समझने में आसानी होगी। 'अमूर्त काल' यानि जो किसी स्पष्ट क्रिया या निश्चित समय का संकेत नहीं देते, बल्कि किसी कार्य की सामान्य स्थिति, इच्छा भावना या संभावना को प्रकट करते हैं। कविता संग्रह 'अमूर्त काल' एक गूढ़ अवधारणा है, जो कवि को समय की सीमाओं पर जाकर अनुभूति, स्मृति, कल्पना और भावना के माध्यम से व्यक्त करने की स्वतंत्रता देती है। उपरोक्त व्याकरणिक परिभाषा के अनुरूप अजय रोहिल्ला अपनी सोच, अपनी काल्पनिकता और अपने विद्रोही तेवरों को कविताओं के माध्यम से उकेरने में सफल हुए हैं। उनके कविता कौशल के कुछ शानदार, उद्वेलित करने में सक्षम नमूने देखिए-

युद्ध एक काला घाव
जो आकाश फटता है
उसके छींटें
हड्डियों की चीख, बारूद की गंध
पर नजर पड़ते ही
वह घाव सिकुड़ता है
और कीचड़ में खिल उठता है कमल
जो रात के स्वप्न में तैरता है...

इनके अलावा भी बहुत सी घायल संवेदनाएं, आहत अहसास और सहमी हुई सिसकियां हैं, जो अजय रोहिल्ला के 'अमूर्त काल' में उसने वेदना और संवेदना के मिश्रित रंगों से उकेरी हैं। 'अमूर्त काल' में छपी उसकी सभी रचनाओं के केंद्र में विश्व मंच पर लगातार हो रहे इंसानियत के ह्रास की तस्वीर नजर आती है। इस कविता संग्रह को उस शख्स को एक बार तो अवश्य पढ़ लेना चाहिए, जो समाज और समय में संक्रमित हो रहे संदर्भों से विचलित होने में सक्षम हो, जिसके अंदर इंसानियत को जिंदा रखने की ललक भी हो।

नागोरी गेट हनुमान मंदिर में जन्माष्टमी पर उमड़ी भीड़

हजारों लोगों ने दर्जनों झांकियों के दर्शन किए, रात्रि 12 बजे भगवान के जन्मोत्सव पर लड्डू गोपाल का अभिषेक किया व आरती के बाद प्रसाद किया वितरित

हिसार। मंदिर प्रांगण में बनी झांकियां।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

श्री हनुमान कुरुक्षेत्र सनातन धर्म मंदिर ट्रस्ट, नागोरी गेट के तत्वाधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हनुमान मंदिर प्रांगण में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। शिव कुमार मित्तल एडवोकेट के परिवार द्वारा गणेश पूजन के साथ पर्व का शुभारंभ किया गया।

अनुज शर्मा पुत्र स्व. प्रमोद शर्मा के नेतृत्व में बंगाल से आए हुए कुशल कारीगरों द्वारा निर्मित, भव्य व मनमोहक गणेश जी की झांकी, शिव परिवार की अति सुंदर झांकी के साथ-साथ मंदिर हाल में भारत के स्वतंत्रता संग्राम वीर व निर्भिक सैनिक, भारत के गौरव व अभिमान के प्रतीक तथा निडरता और बलिदान की प्रतिमूर्ति भारत के महान क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, जतिन्द्र नाथ दास, खुदीराम बोस, राजेन्द्र लाहिड़ी, आदिवासी बिरसा मुंडा व रामप्रशाद बिस्मिल के साथ ही श्रृंगार युक्त झूले में लड्डू गोपाल व बाल रुप में कृष्ण, गऊ माता की पूजा व बाल रुप कृष्ण द्वारा राक्षस धेनुकासुर वध, भगवान भालेनाथ का कृष्ण स्वरुप में श्रृंगार की आदि झांकियों को प्रस्तुत किया गया। मंदिर में मीरा इलैक्ट्रिक कम्पनी द्वारा भव्य लाईट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नगर के हजारों दर्शनार्थियों ने मंदिर में पहुंचकर प्रदर्शित झांकियों के दर्शन किये। रात्रि 12 बजे भगवान के जन्मोत्सव पर लड्डू गोपाल का अभिषेक किया गया और भगवान की आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया।

भारत माता मंदिर में उमड़े श्रीकृष्ण के प्रतिरूप कान्हा सजाओ-उपहार पाओ बना आकर्षण का केंद्र

हिसार। भारत माता मंदिर में जन्माष्टमी पर उपस्थित बच्चे व श्रद्धालुगण।

हिसार। भारत माता मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान कान्हा सजाओ-उपहार पाओ का आयोजन आकर्षण का केंद्र बना रहा। इसलिए बहुत से बच्चे कान्हा का स्वरूप धारण करके एम सी कॉलोनी स्थित भारत माता मंदिर में पहुंचे। पीले वस्त्र, सिर पर मुकुट व मोरपंख, गले में माला और हाथ में बांसुरी धारण करके बहुत से बच्चे मंदिर परिसर में अठखेलियां करते रहे। इस दौरान बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के भजनों पर नृत्य करके भी सभी का मन मोह लिया। मंदिर में सजाई गई झांकियों ने भी श्रद्धालुओं को खूब आकर्षित किया। बच्चों ने कृष्ण जन्म लीला, महिषासुरमर्दिन नृत्य, लीलाधर की लीला नृत्य, सुदामा चरित्र, शिव तांडव, कृष्ण रासलीला, राधा महिमा व गोपिका नृत्य प्रस्तुत करके खूब वाहवाही लूटी। इस अवसर पर मातृशक्ति ने कीर्तन व भजनों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का गुणगान भी किया।

ज्ञानदीप सेवार्थ आश्रम में जन्माष्टमी के पर्व पर भजन कीर्तन का आयोजन

हिसार। कैमरी आश्रम में अतिथियों को सम्मानित करते महंत।

हिसार। कैमरी रोड स्थित श्रीश्री 1008 ब्रह्मलीन श्री ओमानंद महाराज ज्ञानदीप सेवार्थ आश्रम में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जन्माष्टमी का पावन पर्व बड़े हर्षोल्लास, भजन-कीर्तन व सुंदर मनमोहक झांकियों के साथ मनाया गया। भजन सत्संग से पूर्व आश्रम के संचालक महंत राजेश्वरानंद महाराज ने गुरु चरणों में आराधना कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया। आश्रम से जुड़े श्रद्धालुओं ने भगवान श्री राधे-कृष्ण के स्वरूप को सुसज्जित वाहन में विराजमान कर महंत राजेश्वरानंद के सानिध्य में सुंदर झांकी कैमरी रोड व आसपास की कालोनियों में भगवान श्रीकृष्ण कन्हैया के सुंदर भजनों की वर्षा करते हुए श्रद्धालु देर शाम वापिस आश्रम पहुंचे। जहां जलपान के उपरांत भजन कीर्तन किया गया जिसमें महंत राजेश्वरानंद महाराज ने फरमाया कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव हर वर्ष मनाया जाता है मगर इस बार यह खास है, यह सबसे श्रेष्ठ जन्माष्टमी है जिसने इस दिन यह व्रत किया उसके जीवन में सुख-समृद्धि आएगी।

श्री आद्य शक्ति पीठ मां संतोषी आश्रम में धूमधाम से मनाया जन्माष्टमी पर्व

हिसार। मंदिर में भगवान के दर्शन करते श्रद्धालुगण।

हिसार। मॉडल टाऊन स्थित श्री आद्य शक्ति पीठ मां संतोषी आश्रम में जन्माष्टमी पर्व पूर्ण विधि विधान व श्रद्धा के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पीठ के सभी मंदिरों को सजाया गया तथा पूर्ण पीठ प्रांगण को रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगाया गया। कलाकारों द्वारा नाच व गानों से भगवान श्री कृष्ण जी का गुणगान किया गया। बाबा खाटू श्याम जी की सुंदर झांकी निकाली गई। यह जानकारी देते हुए पीठ के संयोजक राजमल काजल व प्रवक्ता रमेश चुघ ने बताया कि सजावटी पालने में झूलते हुए श्री बाल गोपाल सभी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बने और सभी ने रेशमी डोर से भगवान को झूला झूलाकर शीश नवाया। समारोह को भव्य बनाने में पीठ पदाधिकारियों लोकनाथ सिंगल, राजेंद्र नांगरु, सुभाष बंसल, सुशील बुडाकिया, अनिल महता, अरूण अग्रवाल, मुकेश गर्ग, अशोक बंसल, जेपी, मदनलाल गोयल व रमेश चुघ का योगदान रहा। हजारों दर्शकों ने माथा टेककर भगवान से मन्नत मांगी।

बाबा बालक नाथ मंदिर में रही जन्माष्टमी पर्व की धूम

हिसार। बाबा बालक नाथ मंदिर में कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

हिसार। तरसेम नगर स्थित बाबा बालक नाथ एवं दुर्गा माता मंदिर में जन्माष्टमी पर्व इस वर्ष भी पूरी श्रद्धा और भक्ति भाव से धूमधाम से मनाया गया। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों, फूलों और सजावटी वस्तुओं से सजाया हुआ था। मंदिर के मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता ने बताया कि इस बार के आयोजन को खास बनाने के लिए बच्चों द्वारा सुंदर-सुंदर श्रीकृष्ण लीला पर आधारित झांकियों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। भगवान श्रीकृष्ण के बालरूप, माखन चोरी, रासलीला जैसी झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर बाबा बालकनाथ पर एक लघु नाटिका का मंचन भी किया गया, जो बाबा बालक नाथ की भक्ति और सेवा भाव पर आधारित थी। लघुनाटिका में श्रीकृष्ण भगवान में बाबा बालकनाथ जी का रूप दिखाया गया। इस नाटिका ने मंदिर में उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। इस भव्य आयोजन में स्थानीय श्रद्धालुओं के अलावा आस-पास के इलाकों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। रामचरण गुप्ता ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी भक्तों व सेवादारों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे ही आयोजनों को भव्य रूप देने का संकल्प दिलाया।

जवाहर नगर हनुमान मंदिर में अनूठे रुप में नजर आये बच्चे

हिसार। विभिन्न रुपों में नृत्य प्रस्तुत करते बच्चे।

हिसार। श्रीराम भक्त हनुमान मंदिर, गली नम्बर 2 जवाहर नगर में हर वर्ष की भांति आज सायं भी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर समिति के प्रधान इन्द्रचंद राठी ने बताया कि जन्माष्टमी पर्व का शुभारंभ मुख्यातिथि के रुप में पहुंचे कॉलेज ऑफ वैटनरी साइंस, लुवास के डीन डॉ. गुलशन नारंग, उनकी धर्मपत्नी डॉ. कविता नारंग के साथ डॉ. सुनीता यादव ने गणेश पूजन करके किया। इस बार के जन्माष्टमी कार्यक्रम को मंदिर के आसपास रहने वाले बच्चों की टोली ने संभाला। ललित राठी की देखरेख में बच्चों की झांकियां तैयार की गई। इनमें मुख्य रुप से कृष्ण तुला दान, संदीपनी मुनि आश्रम में कृष्ण-सुदामा, शिव परिवार, अशोक वाटिका, ओखल से बंधे कृष्णा, कृष्ण झूला, शंकरजी का तांडव व राधा-कृष्ण व सखियों का रास आदि रहा। ईशू ग्रुप द्वारा आकर्षक व सजीव झांकियां तैयार की गई। एकता ग्रुप की देखरेख में बच्चों ने अलग-अलग रुप में नृत्य प्रस्तुत कर छाप छोड़ी।

गणेश पूजन से शुरु किया हनुमान मंदिर, मोती बाजार की जन्माष्टमी

हिसार। शहर के मध्य स्थित प्राचीन सिद्ध हनुमान मन्दिर मंडल ट्रस्ट, मोती बाजार में आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर को अंदर व बाहर से आकर्षक एवं मनमोहक लाइटों से सजाया गया। मंदिर के प्रधान रमेश कुमार लोहिया, महासचिव अनूप गुप्ता एवं जन्माष्टमी पर्व संयोजक अनिल जिन्दल ने बताया कि पर्व के मुख्यातिथि समाजसेवी कृष्ण कुमार गोरखपुरिया ने गणेश पूजन के साथ महोत्सव का शुभारंभ किया। मंदिर के पुजारी पं. राजेश शास्त्री ने मंत्रोच्चारण किये। मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों ने समाजसेवी कृष्ण कुमार गोरखपुरिया का स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया। मंदिर प्रांगण मोहित एंड पार्टी द्वारा सजग पात्रों से सुंदर, मनोहारी एवं मन लुभावनी झांकियां तैयार की गई। जिसमें राधा-कृष्ण एवं भगवान शंकर-मां पार्वती नृत्य, सिंदूरी हनुमानजी का नृत्य, कारागार में वासुदेव-मां देवकी की श्रीकृष्ण जन्म की झांकी, झूले में श्रीकृष्ण-राधा रानी, श्रीराम दरबार एवं भगवान नृरसिंह अवतार की झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।

बल्यू बैल्स कॉन्वेंट स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी पर्व

हिसार। बल्यू बैल्स कॉन्वेंट स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

हिसार। बल्यू बैल्स कॉन्वेंट स्कूल में स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण, गायन व देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां दी गई। स्कूल प्रधानाचार्या सुनीता रेड्डू ने बच्चों को स्वतंत्रता दिवस का महत्व बताया और उनको देश की आजादी के लिए स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिए गए बलिदान को याद करते हुए देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम की शुरूआत में माई रे तेरी चुनरिया से दक्ष दहिया ने अपनी मधुर आवाज से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। नव्या ने राधा मैया के गाने पर बड़ा सुंदर नृत्य किया। खुशी, समारया, लक्की पूनिया, अनन्या ने बहुत सुंदर नृत्य किया। हिमांशु व जन्नत ने भाषण प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन किया।

कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में हरे कृष्णा हरे रामा की धुन से गूंजा अग्रसेन भवन

हिसार। अग्रसेन भवन में मंच पर हरे रामा-हरे रामा की धुन लगाते कलाकार।

हिसार। श्रीश्री राधा श्याम सुंदर इस्कॉन केंद्र के तत्वाधान में आज सायं महाराजा अग्रसैन भवन में कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। समिति से जुड़े मनोहर मुरारी दास प्रभु ने बताया कि पंजाबी बाग, दिल्ली के इस्कॉन मंदिर से आई भक्तों की टोली ने महोत्सव में संकीर्तन द्वारा रंग जमा दिया। देर रात तक हरे कृष्णा हरे कृष्णा, हरे राम हरे राम की धुन गूंजती रही। उपस्थित श्रद्धालुओं ने नाच गाकर महोत्सव का आनंद लिया। महोत्सव में छप्पन भोग, आरती और अभिषेक, प्रसाद, लड्डू गोपाल श्रृंगार प्रतियोगिता करवाई गई। अनेक लोग लड्डू गोपाल को सजाकर लेकर पहुंचे। राधा-कृष्ण झूला के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

दिव्य देव स्थानम मंदिर में जन्माष्टमी की रही धूम

हिसार। निकटवर्ती गांव सरसौद स्थित दिव्य देव स्थानम में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव अत्यंत भव्यता और श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ। पूरे गांव में भक्ति और उल्लास का वातावरण छाया रहा। महोत्सव के मुख्य आकर्षण के रुप में ग्रामीण बच्चों द्वारा प्रस्तुत सुंदर-सुंदर झांकियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। मनोहर लाल ज्ञानी देवी जन कल्याण सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित इन झांकियों में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म, बाल लीलाओं और माखन चोरी जैसे प्रसंगों का जीवंत चित्रण किया गया। सोसायटी के प्रधान मदनलाल गोयल ने बताया कि कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं को माखन, मिश्री, पंजीरी, चरणामृत, फल एवं छप्पन भोग का प्रसाद वितरित किया गया।

भगवान श्रीकृष्ण के हरियाणवी भजन गाकर बुजुर्गों ने मनाई जन्माष्टमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

बुजुर्गों की सेवा व संभाल में जुटे मोक्ष वृद्धाश्रम में जन्माष्टमी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा के समक्ष नतमस्तक होकर और उनकी आराधना करते हुए बुजुर्गों ने जन्माष्टमी उत्सव की शुरुआत की। झूले को सुसज्जित करके और उसमें श्रीकृष्ण के प्रतिरूप को विराजमान करके झूला झुलाते हुए बुजुर्ग महिलाओं ने भजन गाकर पूरे आश्रम में आध्यात्मिक माहौल बना दिया। मोक्ष वृद्धाश्रम से जुड़े परिवारों के बच्चों ने श्रीकृष्ण व राधा का प्रतिरूप बनकर सभी का मन मोह लिया। इस दौरान सभी बुजुर्गों में फल का प्रसाद भी वितरित किया गया। मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक माता पंकज संधीर व विजय भृगु ने बताया कि मोक्ष वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को सामाजिक व आध्यात्मिक कार्यक्रमों से जोड़े रखने के लिए यहां समय-समय पर विशेष आयोजन किए जाते हैं। इसी कड़ी में जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि मोक्ष वृद्धाश्रम में बुजुर्गों की सेवा, संभाल, भोजन, आवास व चिकित्सा की संपूर्ण व्यवस्था निशुल्क की जाती है। अपने परिवार से बिछड़े हुए, अवसादग्रस्त या किसी कारण घर से दूर निकल चुके बुजुर्गों की मोक्ष वृद्धाश्रम में समुचित देखभाल की जाती है।

हिसार। मोक्ष वृद्धाश्रम में आयोजित जन्माष्टमी उत्सव में उपस्थित बुजुर्ग।

जन्माष्टमी पर श्याम बाबा के दरबार में माथा टेकने उमड़े श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

महाभारतकालीन प्रसिद्ध बीड़ बबरान धाम में संकीर्तन के साथ जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पूरे धाम को रंग-बिरंगी लडिय़ों से सजाया गया और श्याम बाबा के दरबार को भव्य स्वरूप दिया गया। बीड़ बबरान धाम में विभिन्न झांकियां भी सुसज्जित की गई। इस दौरान भक्तों को श्रीश्याम प्रभु के विशेष श्रृंगार दर्शन का भी अवसर मिला। महोत्सव के दौरान विशेष हजारा आरती की गई जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था के साथ हिस्सा लिया। जन्माष्टमी महोत्सव में लुवास के कुलपति डॉ. विनोद वर्मा मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ कटला रामलीला के निवर्तमान प्रधान सुरेंद्र लाहौरिया एवं अन्य बहुत से गणमान्य लोग मौजूद रहे। बीड़ बबरान धाम के निज पुजारी विनय शर्मा ने बताया कि जन्माष्टमी के पावन अवसर पर संकीर्तन में गायकों ने भजनों के माध्यम से प्रभु श्रीकृष्ण व श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। उन्होंने बताया कि देर रात तक श्रद्धालु अपने इष्ट की आराधना लिए उमड़ते रहे। रात्रि 12 बजे महाआरती करके सभी भक्तों में सात्विक प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर बीड़ बबरान धाम के महंत महाराज विनोद शर्मा ने अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान करके सम्मानित किया।

हिसार। बीड़ बबरान धाम में अतिथियों को सम्मानित करते महंत महाराज विनोद शर्मा।

हकृवि में 'समेकित कृषि प्रणाली में उद्यमिता विकास के अवसर' विषय पर होगा प्रशिक्षण

- प्रशिक्षण के इच्छुक प्रतिभागी 25 अगस्त तक कर सकेंगे आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'समेकित कृषि प्रणाली में उद्यमिता विकास के अवसर' विषय पर 40 उम्मीदवारों के लिए एक माह की अवधि का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण लेने के इच्छुक उम्मीदवार 25 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं।

प्रशिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित किए जाने वाले इस प्रशिक्षण में समेकित कृषि प्रणाली के विभिन्न घटकों के बारे में वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी जाएगी। नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भी इस प्रकार के कैप्सूल प्रशिक्षण को आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि युवाओं का कौशल विकास करके उन्हें स्वभावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में देश और प्रदेश के किसी भी वर्ग एवं आयु के इच्छुक महिला या पुरुष भाग ले सकते हैं। यह प्रशिक्षण पूरी तरह से निशुल्क होगा और इसमें नियमित रूप से भाग लेने वाले प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। डॉ. गोदारा ने बताया कि आवेदन फार्म संस्थान के कार्यालय के गेट नंबर 3 लुदास रोड से प्रातः 9 बजे से शाम 4:30 बजे तक प्राप्त करके और भरकर जमा कराएं जा सकते हैं। आवेदन के साथ एक पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता एवं आयु संबंधी प्रमाण पत्र आदि दस्तावेजों की प्रति संलग्न करना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि यदि विश्वविद्यालय/महाविद्यालय का छात्र यह प्रशिक्षण लेना चाहता है तो उसे अपने संस्थान के अधिष्ठाता/प्राचार्य से अनुमति पत्र भी प्रस्तुत करना होगा।

नेहा उद्यमिता मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति का राष्ट्रीय सदस्य नियुक्त

हांसी। राजभाषा विभाग की ओर से कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के लिए एडवोकेट नेहा धवन को गैर सरकारी राष्ट्रीय सदस्य में रूप में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री (एन) नित्यानंद राय के अनुमोदन पर हरियाणा के हांसी निवासी नेहा धवन को नामित किया गया है। राजभाषा विभाग की संयुक्त सचिव मीनाक्षी जौली की ओर से उनकी नियुक्ति की सूचना जारी की गई है। बता दें कि नेहा धवन पेशे से वकील हैं और वर्तमान में हरियाणा में भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। गृह मंत्रालय के राज भाषा विभाग द्वारा जारी इस नियुक्ति पत्र में इस राष्ट्रीय कमेटी के केवल तीन राष्ट्रीय सदस्यों की नियुक्ति हुई है जिसमें हरियाणा से नेहा धवन, रायपुर छत्तीसगढ़ से डॉक्टर मानिक विश्वकर्मा और चेन्नई से कांथा कन्नन की नियुक्ति की गई है। नेहा धवन ने बताया कि ये उनके व परिवार जन व हरियाणा के लिए सौभाग्य की बात है कि उत्तर भारत में से हरियाणा को स्थान मिला।

आर्य समाज नागोरी गेट के सात दिवसीय वेदप्रचार श्रावणी उपाक्रम का समापन

ईश्वर को बाहर खोजने की आश्यकता नहीं हृदय में ही उसकी अनुभूति होगी : डॉ. वेदपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। वेद प्रचार श्रावणी उपाक्रम के समापन अवसर पर प्रवचन करते स्वामी आदित्यवेश, डॉ. वेदपाल एवं यज्ञ में आहुति डालते यज्ञमान।

आर्य समाज लाला लाजपत राय चौक नागोरी गेट हिसार में आयोजित सात दिवसीय वेदप्रचार श्रावणी उपाक्रम की पूर्ण आहुति की पावन बेला पर कार्यक्रम का शुभारंभ संसार के सर्वश्रेष्ठ कर्म यज्ञ से हुआ। यज्ञ के ब्रह्मा पंडित कर्मबीर ने यज्ञ का संपादन किया। यज्ञ में आर्य समाज के प्रधान देवेंद्र सैनी एवं ज्योति सैनी, सत्यप्रकाश गोयल एवं नीलम गोयल, मनीराम गोयल व मीना गोयल, सुनील गोयल व मधु गोयल यज्ञमान के रूप में शामिल हुए। यज्ञ के उपरांत कर्मबीर शास्त्री ने भजन प्रस्तुत किए।

समापन सत्र में प्रसिद्ध वैदिक विद्वान डॉ. वेदपाल ने ईश्वर के स्वरूप का प्रतिपादन करते हुए बताया कि परमेश्वर संसार के प्रत्येक कण में विद्यमान है।

सर्व व्यापक होने से संसार की कोई घटना उससे दूर नहीं। मनुष्य के छोटे से छोटे कर्म को वह जानता है। न्यायकारी होने से सदैव सबके प्रति वह न्याय ही करता है। श्री कृष्ण ने अर्जुन को उपदेश दिया था कि वह प्राणीमात्र के हृदय में विद्यमान हैं। उसे खोजने के लिए कहीं इधर-उधर जाने की आवश्यकता नहीं है। अपने हृदय में ही उसकी अनुभूति होगी।

इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संगीतज्ञ पंडित कुलदीप आर्य ने उपस्थित जन समूह को संगीतमय प्रस्तुति द्वारा भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम के अंत में ऋषि लंगर लगाया गया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर स्वामी आदित्यवेश, प्रधान देवेंद्र सिंह सैनी, मंत्री नरेंद्र पाल मिगलानी, कोषाध्यक्ष बलराज सिंह मलिक, दलबीर सिंह आर्य, नंदलाल चोपड़ा, हरिसिंह सैनी एमसी, प्रमोद, सुनील गोयल, सुशील लीखा, कुलदीप ग्रोवर, सुरेंद्र रावत, ज्योति सैनी, रेखा सैनी, गीता मित्तल आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

ऑटो मार्केट में आज से 41 दिवसीय अखंड ज्योत

हिसार। श्री रामदूतम सेवा समिति की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवम श्री शरद पूर्णिमा महोत्सव एवं सालासर पैदल यात्रियों के लिए भंडारे के अतिरिक्त वरिष्ठ चिकित्सक की व्यवस्था 27 सितंबर से प्रारंभ होगी। श्री रामदूतम सेवा समिति के प्रधान कुलप्रकाश बंटी गोयल ने बताया किसमिति सदस्य 18 अगस्त को ऑटो मार्किट में स्थित हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना करके विधिवत रूप से 41 दिन की अखंड ज्योत लगाएंगे।

महिला पर गंडासे से हमला, मामला दर्ज

नारनौंद। गांव कापड़ो में भैंसों को पानी पिलाने जा रही महिला पर गंडासे से हमला कर घायल करने का मामला सामने आया है। घटना में महिला के हाथ व पैर पर गंभीर चोटें आईं, जिसे नारनौंद से हिसार रेफर किया गया। कापड़ो निवासी गुड्डी ने पुलिस को बताया कि जब वह भैंसों को गांव के तालाब पर ले जा रही थी तो अनूप ने अचानक गंडासे से हमला कर दिया।

सट्टा खाइवाली में एक काबू, 3550 रुपये जब्त

हांसी। अनाज मंडी चौकी पुलिस ने सट्टा खाइवाली करते हुए एक लाल सड़क निवासी कुलदीप को 3550 रुपए के साथ गिरफ्तार किया है। सूचना के आधार पर टीम का गठन करके लाल सड़क निवासी निवासी कुलदीप को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से 3550 रुपए व सट्टा पर्ची बरामद हुई। उसे गिरफ्तार कर केस दर्ज कर लिया गया है।

संत निरंकारी मिशन ने रक्तदान शिविर लगाया

उकलाना मंडी। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता आदरणीय रमित के पावन आशीर्वाद से संत निरंकारी सत्संग भवन में ऋषिकेश से पहुंचे महान संत धर्मेंद्र पयाल के सानिध्य में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज से मेडिकल टीम ने रक्त संग्रह किया। इस टीम की अगुवाई डॉ. अन्नू ने की।

चोरी मामले में फरार महिला गिरफ्तार

हांसी। शहर थाना पुलिस ने दुकान में से चावल, सरसों का तेल व सरसों चोरी करने के मामले में पांच साल से फरार महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। महिला की पहचान रोहतक जिले के गांव खोखरा निवासी गीता के रूप में हुई है। आरोपी महिला ने वर्ष 2020 को सिसाय पुल स्थित एक दुकान में से 150 किलोग्राम सरसों, 70 लीटर सरसों तेल व 320 किलोग्राम चावल चोरी किए थे।

विदेश भेजने के नाम पर 10 लाख रुपये की ठगी

नारनौंद। विदेश में पढ़ाई करने के मामले में एक युवक के साथ ठगी कर ली गई। कापडो निवासी कृष्ण कुमार ने अपने बेटे रितेश को साइप्रस पढ़ाई के लिए भेजने की खातिर एजेंटों को 10 लाख रुपये दे दिए, लेकिन न तो फीस जमा हुई और न ही सही कॉलेज में दाखिला मिला। उसके बेटे का वीजा भी कैंसिल हो गया।

अमर शहीद मदनलाल ढींगड़ा की नई प्रतिमा दो माह में लग जाएगी: इन्द्र शर्मा

पंजाबी कल्याण मंच ने अमर शहीद मदन लाल ढींगड़ा का शहीदी दिवस मनाया

हिसार। शहीद मदनलाल ढींगड़ा के शहीदी दिवस पर हवन में आहुति डालते मेयर प्रवीन पोपली व मंच के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

पंजाबी कल्याण मंच की ओर से रेड स्कवेयर मार्केट स्थित शहीद मदनलाल ढींगड़ा चौक में अमर शहीद मदन लाल ढींगड़ा का शहीदी दिवस मनाया गया। मेयर प्रवीन पोपली, राजकुमार ऐलावादी व दयानंद भ्याणा मुख्य यजमान के रुप में उपस्थित हुए। पुष्प अर्पित करने उपरांत वक्ताओं ने शहीद की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अनेक महानुभावों ने मंच को अपनी ओर से आर्थिक मदद प्रदान की। मंच के प्रेस सचिव मदनलाल पपनेजा ने बताया कि मंच प्रधान इन्द्र शर्मा ने मंच एवं समाज को विश्वास दिलाया कि अमर शहीद मदनलाल ढींगड़ा की नई प्रतिमा लगाने का कार्य अगले दो माह में कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंच इसी तरह शहीदी दिवस व जयंती दिवस हर वर्ष की भांति समय पर मनाता रहेगा व सामाजिक कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम में मंच सरपरस्त वेद रावल, आरडी अरोड़ा, वीएल शर्मा, सुभाष कुकड़ेजा, मंगत मक्कड़, प्रो. पीपी तनेजा, डॉ. महेन्द्र बजाज, बीसी मलिक, ओपी मलिक, गुरबक्श राजा, पार्षद राजेश अरोड़ा, जगदीश नागपाल, भगवान दास कक्कड़, केपी नारंग, रमेश शर्मा, प्रेम चौधरी, ओपी असीजा, देशराज कम्बोज, राज पराशर, हरीश धमीजा, ओपी बजाज, मनोहर लाल नांगरु, सतीश भाटिया, अमीर चंद ढींगड़ा, बंसीलाल पठनेजा, अमरनाथ बतरा, संतलाल नंदवानी, रविन्द्र बांगा, कृष्णलाल आहुजा, भीमसेन चुघ, ओमप्रकाश पपनेजा, कमल हांडा, डॉ. उमेद खन्ना, दिनेश मेहता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हिसार। शहीद मदन लाल ढींगरा को श्रद्धांजलि अर्पित करते विधायक रणधीर पनिहार। *फोटो: हरिभूमि*

शहीद मदनलाल ढींगरा का बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण घटना

हिसार। शहीद मदनलाल ढींगरा की पुण्यतिथि पर विधायक रणधीर पनिहार ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1909 में आज ही के दिन, लंदन में उन्हें फांसी दी गई थी, जब उन्होंने ब्रिटिश अधिकारी विलियम हट कर्जन वायली की हत्या कर दी थी। विधायक ने कहा कि शहीद मदनलाल ढींगरा का बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण घटना थी, और आज भी उन्हें एक महान क्रांतिकारी और देशभक्त के रूप में याद किया जाता है। उनके बलिदान के बाद ही आजादी के आंदोलन को सही दिशा मिली और अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिल गई। उन्होंने कहा कि शहीद मदनलाल ढींगरा की पुण्यतिथि हमें उनके बलिदान को याद करने और उनके आदर्शों का अनुसरण करने का अवसर प्रदान करती है। यह दिन हमें देशभक्ति, साहस और समर्पण की भावना को भी याद दिलाता है। इस अवसर पर समाजसेवी योगराज शर्मा, पार्षद राजेश अरोड़ा आदि उपस्थित थे।

हांसी। शहीद मदनलाल ढींगरा का शहीदी दिवस मनाते शहीद भगत सिंह संगठन समिति के पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया शहीदी दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

- ढींगरा को आज ही के दिन इंग्लैंड में फांसी पर चढ़ा दिया गया था
- अस्थियों को पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह इंग्लैंड से लाये थे।

शहीद भगत सिंह संगठन समिति द्वारा रविवार को शहीद भगत सिंह पार्क हांसी में शहीद मदन लाल ढींगरा का 136वां शहीदी दिवस उल्लास व श्रद्धाभाव मनाया गया। समारोह में रिटायर्ड मेजर डॉ एमके ढींगरा व उनकी पत्नी डॉ सविता ढींगरा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की।

इस अवसर डॉ. एमके ढींगरा व डॉ. सविता ढींगरा ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज जो हम आजाद भारत में आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे है वह हमारे शहीदों के बलिदान की देन है। उन्होंने बताया कि शहीद मदन लाल ढींगरा को आज ही के दिन इंग्लैंड में फांसी पर चढ़ा दिया गया था क्योंकि उन्होनें अंग्रेजी सरकार के एक क्रूर अधिकारी कर्जन वैली की इंग्लैंड में गोली मार कर हत्या कर दी थी। और उनकी अस्थियों को आजादी के बाद पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह इंग्लैंड से भारत लाये थे। इस अवसर पर नगर परिषद चेयरमैन प्रवीण इलावादी राहुल मक्कड़, केएल ग्रोवर, एडवोकेट पूर्ण चन्द, विरेन्द्र तनेजा, एडवोकेट सुरेन्द्र राजपाल, डॉ. सुदर्शन सचदेवा, हंसराज खेत्रपाल, प्रेम गुलाटी, मोनिका जांगड़ा, अशोक कनौजिया, कमल किशोर शास्त्री, रामस्वरूप खट्टर, ओमप्रकाश मुंजाल व कंवल सलूजा आदि सहित काफी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

चार दिवसीय श्याम महोत्सव 20 से

- 23 अगस्त को पंचायती रामलीला ग्राउंड में एक श्याम सांवरे के नाम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

श्री श्यामा श्याम युवा ग्रुप द्वारा 20 से 23 अगस्त तक श्री पंचायती रामलीला ग्राउंड में चार दिवसीय श्याम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। ग्रुप प्रधान राहुल अग्रवाल ने बताया कि 20 अगस्त को प्रातः 9 बजे दिल्ली गेट स्थित श्री राम मंदिर में श्री श्याम नाम की मेहन्दी, 21 अगस्त को प्रातः 8 बजे जींद चौक स्थित तोरणद्वार से निशान यात्रा श्री श्याम मन्दिर से निकाली जायेगी।

नगर परिक्रमा कर श्री श्याम मंदिर पर आकर संपन्न होगी। 22 अगस्त को पंचायती रामलीला ग्राउंड से सांय 6 बजे श्री श्याम बाबा की भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। तथा 23 अगस्त को 7:15 बजे से पंचायती रामलीला ग्राउंड में एक श्याम सांवरे के नाम कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। जिसमें वृंदावन से भजन गायिका गौरी साक्षी, साक्षी अग्रवाल तथा आरोही राघव बाबा का गुणगान करेंगी।

हांसी। कार्यक्रम की जानकारी देते श्री श्यामा श्याम युवा ग्रुप के प्रधान राहुल अग्रवाल व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

मनरेगा सहयोग मंच ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

- विधायक ने समस्याओं को हल करवाने का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

अखिल भारतीय मनरेगा सहयोग मंच राज्य कमेटी के आह्वान पर हांसी ब्लाक कमेटी सदस्यों ने अपनी मांगों को लेकर बीजेपी विधायक विनोद भ्याना को मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम अवतार सुलचानी के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा।

मंच ने विधायक विनोद भयाणा को मनरेगा मजदूरों की मांगों को विधानसभा सत्र में उठाने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन के माध्यम से विधायक को बताया कि मनरेगा मजदूरों की पिछले लंबे समय से 600 प्रतिदिन मजदूरी, मेट से लेकर एबीपीओ तक सभी कर्मचारियों की जॉब सिक्योरिटी, मनरेगा में काम करने वाले मजदूर की दुर्घटना होने पर 5 लाख, बढ़िया इलाज और मौत होने पर 25 लाख रुपए मुआवजा एक सरकारी नौकरी, 5 किलोमीटर की दूरी पर काम पर जाने पर किराया दिया जाए, पहले से तय मोबाइल रिचार्ज का खर्च दिया जाए, बिजली बिल के नाम पर बीपीएल कार्ड कटना बन्द करो, मनरेगा में फैले भ्रष्टाचार पर पूर्णतय रोक लगाई जाए, सभी मनरेगा मजदूरों को 100 वर्ग गज के प्लांट दिलाते हुए मकान बनाने के लिए अनुदान, मनरेगा काम के सभी औजार, आयुष्मान कार्ड में जोड़ते हुए मनरेगा मंच को मुख्यमंत्री बातचीत के माध्यम समस्याओं का हल करवाएं। विधायक ने मनरेगा मजदूरों को उनकी तमाम समस्याओं को हल करवाने तथा सभी मांगों को सदन में उठाने का आश्वासन दिया।

हांसी। विधायक विनोद भयाणा को ज्ञापन सौंपा सौंपने मनरेगा मंच के पदाधिकारी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर राज्य उपाध्यक्ष केएल ग्रोवर, जिला प्रधान बलराज मायड़, कृष्ण कुमार, ब्लॉक उपप्रधान सुरेश कुमार, कैलाशो, बंतो बाई, सुनील कुमार मंजोका प्रधान ई रिक्शा यूनियन, राजकुमार मेट, अमित मेट, रामबिलास, संदीप मेट, राजीव मेट, संजय मेट, सुरज मेट, जसवंत, राजवीर इत्यादि मौजूद थे।

किसान संघर्ष तेज करने का ऐलान किया

- पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति की मिर्जापुर इकाई गठित

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

नजदीकी गांव मिर्जापुर में पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति हरियाणा की नई इकाई का गठन किया गया। इसमें जयकुमार को प्रधान, धर्मेंद्र को उप-प्रधान, अमरदीप बूरा को सचिव और दलबीर सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव संदीप सिवाच ने किसानों की समस्याओं का विस्तार से जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि हिसार की 85 हजार एकड़ से ज्यादा जमीन जलभराव से डूबी है, किसानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं, पानी की निकासी के प्रबंध सरकार द्वारा नहीं करने से किसानों के लिए अगली बुवाई तक पर संकट खड़ा हो गया है लेकिन सरकार मौन है। उन्होंने कहा कि न कोई मुआवजा, न कोई राहत। किसानों को डूबने के लिए छोड़ दिया गया है, वही डीएपी व यूरिया के लिए किसानों को दर-दर भटकना पड़ रहा है। संदीप सिवाच ने ऐलान किया कि संगठन अब चुप नहीं बैठेगा। गत 8 अगस्त को जिला मुख्यालयों पर जो मांग पत्र संगठन की तरफ से किसानों के मुद्दों पर दिए गए थे, उस पर सरकार की तरफ से कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। इसलिए अब आने वाली एक सितंबर को कुरुक्षेत्र में सीएम आवास का घेराव धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

हिसार। नवगठित पगड़ी संभाल जट्टा की मिर्जापुर इकाई के पदाधिकारी।

ये रहे मौजूद

जिला प्रधान सतीश बेनीवाल ने भी सरकार की किसान विरोधी नीतियों की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि अगर सरकार ने किसानों की बात नहीं सुनी, तो आंदोलन की लपटें और तेज होंगी। खेत-खलिहान बचाने के लिए किसान किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। इस अवसर पर दरिया सिंह, रामधारी, दिग्विजय बेनीवाल, प्रदीप, सुशील जांगड़ा, संदीप, सुलखनी इकाई प्रधान नरेश लोहान, मोनू विक्की, ब्लॉक प्रधान साहब राम, ब्लॉक सचिव दिलीप सिंह निकेत, सचिन, मंजीत, कुलदीप, जगदीश, हरीराम, रामफल, सतबीर कुंडू आदि किसान भी उपस्थित थे।

योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने रचा इतिहास

हिसार में 5वीं जिला योगासन स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप-2025 का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन हिसार की ओर से पांचवी जिला योगासन स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप-2025 का आयोजन डीएन कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि लुवास कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने किया। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी भूपेंद्र पनिहार तथा बीडी मॉडल स्कूल हिसार की प्राचार्या गीता भुटानी उपस्थित रहीं। चैम्पियनशिप के दौरान आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मेयर शकुंतला राजलिवाल पहुंचीं जबकि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ. सत्या सावंत, जगदीश जिंदल भी मौजूद रहे। डीएन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने आए अतिथियों का स्वागत किया।

वक्ताओं ने कहा कि योगासन आज केवल स्वास्थ्य साधना ही नहीं बल्कि एक खेल प्रतियोगिता के रूप में भी युवाओं में लोकप्रिय हो रहा है। योगासन से शरीर और मन स्वस्थ रहते हैं, साथ ही यह अनुशासन और आत्मबल भी प्रदान करता है। इस अवसर पर हिंदुस्तान के महान क्रांतिकारी शहीद मदनलाल धींगड़ा की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मीडिया डायरेक्टर सुरेन्द्र पानू हिन्दुस्तानी ने बताया कि चैम्पियनशिप में जिलेभर से आए प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन स्पर्धाओं में भाग लेकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया। विजेताओं को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ईश आर्य, मदन गोपाल, अजय ऐलावादी, नरेश सिंघल, अनुज कौशिक, विक्रमजीत, मीडिया निदेशक सुरेन्द्र पानू हिन्दुस्तानी, डायरेक्टर जीटीसीसी खेल जोगिन्द्र सिंह, कंपटीशन डायरेक्टर बसंत कुमार, उपसचिव कविता, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र वशिष्ठ, आदि मौजूद रहे।

हिसार। भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते जिला अध्यक्ष आशा खेदड़। *फोटो: हरिभूमि*

भाजपा जिला कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

हिसार। भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यकारिणी बैठक एवं कार्यशाला का आयोजन पार्टी के जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेड़ड़ की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। बैठक एवं कार्यशाला कुल पांच सत्रों में संपन्न हुई, जिसका मंच संचालन जिला महामंत्री कृष्ण सरसाना ने किया। पहले सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। दूसरे सत्र में पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने पार्टी के इतिहास और विकास यात्रा पर विस्तृत व्याख्यान दिया। इस सत्र की अध्यक्षता एडवोकेट कृष्ण खटाना ने की। तीसरे सत्र में हांसी के विधायक विनोद भयाना ने केंद्र जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने और अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण जैसे ऐतिहासिक कार्यों को राष्ट्रहित में उठाए गए निर्णायक कदम बताया।

कई संगठनों ने पीड़ित परिवार को न्याय देने की मांग उठाई

शिक्षिका मनीषा हत्याकांड के खिलाफ प्रदर्शन

- शहर के दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद करके रोष जताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवानी मंडी

लोहारू के सिंघानी गांव की शिक्षिका मनीषा के निर्मम हत्याकांड मामले में सिवानी में रविवार को विभिन्न संगठनों के लोगों ने शहर में जमकर धरना प्रदर्शन किया।

शहर के दुकानदारों ने अपनी अपनी दुकाने बंद करके रोष व्यक्त किया। प्रदर्शनकारी सरकारी स्कूल के खेल मैदान में जमा हुए और विभिन्न संगठनो के लोगों धरने को संबोधित किया इसके बाद शहर के मुख्य बाजार के मुख्य चौराहों पर धरना प्रदर्शन किया तथाजमकर नारेबाजी की। समाजसेवी अमित लोहिया ने कहा कि बेटी मनीषा के परिवार की तरफ से दी गई शिकायत पर समय रहते लोहारु पुलिस शीघ्र कार्यवाही करती तो उस बिटिया की जान बच सकती थी। पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि लापरवाही के विरूद्ध पुलिस अधीक्षक पर कार्रवाई करनी चाहिए तथा इस हत्याकांड की उच्च स्तरीय शीघ्र जांच कारवाई जाए ताकि पीड़ति परिवार को न्याय मिल सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। लोहिया ने कहा कि बेटी मनीषा की हत्या केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे समाज की अस्मिता पर हमला है। जब तक दोषियों को फांसी की सजा नहीं मिलती जब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। भारतीय किसान सभा के प्रदेश सचिव दयानंद पूनिया ने कहा कि यह आंदोलन केवल एक जघन्य हत्या के विरोध तक सीमित नहीं है।

सिवानी मंडी। हत्याकांड के खिलाफ प्रदर्शन करते विभिन्न संगठन।